दैनिक
भारतेन्दु शिखर

वर्ष : 25 | अंक : 294 | शिमला | सोमवार, 14 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 1.50 रुपए

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू अपने चचेरे भाई कुलदीप सिंह की अंतिम यात्रा में शामिल हुए और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वह सुबह कुलदीप सिंह के पैतृक गांव गूजरेड़ा, अनलेहड़ जिला हमीरपुर पहुंचे। सुक्खू ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

छपते-छपते

हिमाचल दिवस की पूर्व संध्या पर आकाशवाणी व दूरदर्शन से प्रसारित होगा मुख्यमंत्री का संदेश

शिमला : हिमाचल दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू प्रदेशवासियों के नाम संदेश देंगे, जिसे आकाशवाणी शिमला से 14 अप्रैल, 2025 को सायं 8 बजे प्रसारित किया जाएगा। यह संदेश एफएम शिमला, एफएम हमीरपुर, एफएम धर्मशाला और आकाशवाणी शिमला के सभी रिले केंद्रों से एक साथ प्रसारित किया जाएगा। दूरदर्शन केंद्र, शिमला से हिमाचल दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री का संदेश 14 अप्रैल, 2025 को सायं 7:30 बजे प्रसारित किया जाएगा।

बंजार में शंचूल महादेव के दर्शनों को उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड

बंजार : बंजार घाटी की कोटी फतहपूर टील व छूट के देवता शंचूल महादेव के मंदिर टील में वैसाखी के दिन शंचूल महादेव के दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जैसे ही शंचूल महादेव अपने देवालय वछूट से अपने टील मंदिर पहुंचे तो उनके दर्शनों के लिए सुबह से ही टील मंदिर में भारी भीड़ एकत्रित थी। शंचूल महादेव के मंदिर में प्रवेश होते ही लोगों का दर्शन करने का तांता शुरू हो गया कुल्लू मंडी शिमला और भिन्न भिन्न जगह आए श्रद्धालुओं ने शंचूल महादेव के दर्शन करके उनसे सुख समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया। शंचूल महादेव बैसाखी के दिन अपने देवालय वछूट से टील मंदिर आते हैं टील मंदिर में दूर-दूर से भारी संख्या में श्रद्धालु अपनी मन की मुरादें लेकर आते हैं। बैसाखी से तीन दिनों तक यह सिलसिला चलता रहता है । पुजारी राम लाल ने बताया कि जिन दंपतियों की औलाद नहीं होती अगर वह शंचूल महादेव के पास फरियाद लेकर आते हैं तो शंचूल महादेव उनको पुत्र प्राप्ति का वरदान देकर उसकी मनोकामना पूर्ण करते हैं जिसके सैंकड़ों परिणाम देखने को मिलते हैं । जो भी श्रद्धालु शंचूल महादेव के दरबार में सच्चे मन से फरियाद लेकर आते हैं शंचूल महादेव उनकी हर मनोकामना पूर्ण करते हैं ।

महानिदेशक सीमा सड़क संगठन ने मुख्यमंत्री से भेंट की

▶ सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़कों के बुनियादी ढांचे के संबंध में की चर्चा

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : महानिदेशक सीमा सड़क (डीजीबीआर) पीवीएसएम, वीएसएम, लेफ्टिनेंट जनरल रघु श्रीनिवासन ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू से भेंट की और परियोजना दीपक के तहत प्रमुख बुनियादी ढांचागत पहलों पर चर्चा की। बैठक के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को पहाड़ी राज्य में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं की प्रगति और राज्य के लोगों के लिए संपर्क सुविधा को बढ़ाने की विस्तृत जानकारी दी। महानिदेशक ने मुख्यमंत्री को अवगत करवाया कि सीमा सड़क संगठन ने परियोजना दीपक के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के मनाली और सिस्सू क्षेत्रों में तीन प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच-03, एनएच-05 और एनएच-505) के उन्नयन, सुधार और विकास का दायित्व निभाया है। ये कार्य न केवल सामरिक महत्व के हैं, बल्कि इनका उद्देश्य दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्रों में सम्पर्क सुविधा को बढ़ाकर स्थानीय लोगों को लाभान्वित करना है। मुख्यमंत्री ने

प्रदेश के भौगोलिक दृष्टि से चुनौतीपूर्ण दुर्गम और ऊंचाई पर स्थित इलाकों में सीमा सड़क संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्रों में लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में सीमा सड़क संगठन की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री ने लियो चांगो और शिव मंदिर से गुए सड़कों सहित अन्य महत्वपूर्ण सड़कें, जो वर्तमान में लोक निर्माण विभाग के अधीन हैं उनके रखरखाव की जिम्मादारी सीमा सड़क संगठन को संभालने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने अन्य महत्वपूर्ण सड़कें जैसे कि किन्नौर को लाहौल-स्पीति जिले से जोड़ने वाली वांगतू-अटरगू-मुध-भावा दर्रा मार्ग को भी सीमा सड़क संगठन के अधीन लेने का प्रस्ताव रखा। इस मार्ग को हाल ही में राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड से मंजूरी मिली है, जिससे इसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह सड़क 4,865 मीटर की ऊंचाई पर बनेगी और खारदुंग ला के बाद देश की दूसरी सबसे ऊंची वाहन योग्य सड़क बन जाएगी। इस सड़क के बनने से शिमला और काजा के बीच की दूरी लगभग 100 किलोमीटर कम हो जाएगी और यह नाको, समदो और ताबो मार्ग के अलावा लाहौल स्पीति के लिए सम्पर्क सुविधा का अतिरिक्त विकल्प प्रदान करेगा। वर्तमान में यह दूरी 410 किलोमीटर है जोकि नई सड़क के बनने से लगभग 310 किलोमीटर हो जाएगी। इससे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सीमा सड़क संगठन से सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चंबा-बैरागढ़-साचपास-किलाड़ सड़क को अपने नियंत्रण में लेने का भी आग्रह किया। भारत-पाकिस्तान सीमा और वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास सुदूर पांगी घाटी को जोड़ने वाला यह मार्ग मनाली-लेह और रोहतांग मार्गों के बन्द होने की स्थिति में एक वैकल्पिक मार्ग के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है।

राज्यपाल ने क्यारकोटी के गोवर्धन धाम में आयोजित गौ-कथा कार्यक्रम में भाग लिया

शिमला : राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शिमला के निकट क्यारकोटी में आयोजित गौ-कथा कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने शनिधाम एवं कर्मघाट के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में भी भाग लिया। उन्होंने नव स्थापित गोवर्धन धाम में गौ सेवा भी की। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी जानकी शुक्ला और ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह भी उपस्थित रहे। इस दौरान प्रसिद्ध संत श्री गोपाल मणि जी महाराज ने गौ महिमा और पवित्रता पर प्रवचन दिए। राज्यपाल ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में यह उनका पहला दौरा है और वह यहां की प्राकृतिक सुन्दरता से अत्यंत प्रभावित हुए हैं। उन्होंने इस क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल देते हुए यहां एक पर्यटक केंद्र स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा गौ-कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता, आध्यात्मिक विश्वास और सांस्कृतिक संरक्षण का एक सुन्दर उत्सव भी है। शुक्ल ने कहा कि शास्त्रों में गाय को सृष्टि की माता कहा गया है।

उन्होंने कहा कि यह केवल धार्मिक आस्था नहीं बल्कि भारतीय जीवन पद्धति का अभिन्न हिस्सा है। हमारी संस्कृति में गाय को मां के रूप में भी पूजा जाता है, क्योंकि यह हमें शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से पोषण प्रदान करती है। गोवर्धन धाम कल्याण समिति और स्थानीय ग्रामीणों के प्रयासों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनके इस प्रयास से न केवल गौ-संरक्षण को बल मिला है बल्कि लोगों को शनिधाम और कर्मघाट जैसी आध्यात्मिक सुविधाएं भी प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने कहा कि गौ-सेवा न केवल पवित्र कार्य है बल्कि इससे मानवीय करूणा जागृत होती है और सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी-देशी गायों का दूध औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसे अमृत के समान माना गया है। गाय का गोबर प्राकृतिक खेती के लिए अत्यंत लाभकारी है जिससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और जैविक खेती को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि 'गौ-संरक्षण न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण का आधार भी है।

हर्षवर्द्धन चौहान करेंगे ज़िला स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह की अध्यक्षता

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : उद्योग, संसदीय कार्य तथा श्रम एवं रोज़गार मंत्री हर्षवर्द्धन चौहान सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में 15 अप्रैल, 2025 को आयोजित किए जाने वाले ज़िला स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह में मुख्यातिथि होंगे। यह जानकारी यहां उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने दी।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि हर्षवर्द्धन चौहान 15 अप्रैल, 2025 को सर्वप्रथम प्रात: 10.40 बजे शहीद स्मारक पर कृतज्ञ प्रदेशवासियों की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे।

उन्होंने कहा कि उद्योग मंत्री तदोपरांत प्रात: 10.58 बजे ऐतिहासिक ठोडो मैदान पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि हर्षवर्द्धन चौहान प्रात: 11.00 बजे ध्वजारोहण करेंगे। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण के उपरांत उद्योग मंत्री परेड का निरीक्षण करेंगे एवं सलामी लेंगे।

हर्षवर्द्धन चौहान इस अवसर पर अपने शुभकामना संदेश के माध्यम से जन-जन का मार्गदर्शन करेंगे और प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अवलोकन करेंगे।

मनमोहन शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर मुख्यातिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ज़िला स्तरीय समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

प्रधानमंत्री अंबेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को हरियाणा का दौरा करेंगे

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अंबेडकर जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल को हरियाणा जाएंगे। हरियाणा में वे सबसे पहले हिसार जाएंगे और सुबह करीब 10:15 बजे हिसार से अयोध्या के लिए वाणिज्यिक उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे। इसके साथ ही, वे हिसार हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का शिलान्यास भी करेंगे। प्रधानमंत्री हिसार में एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

इसके बाद, लगभग 12:30 बजे वे यमुनानगर में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इस अवसर पर मोदी उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

हवाई यात्रा को सुरक्षित, किफायती और सर्व-सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री हिसार में महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन की आधारशिला रखेंगे। इसकी लागत 410 करोड़ रुपये से अधिक होगी। इसमें एक अत्याधुनिक यात्री टर्मिनल, एक कार्गो टर्मिनल और एक एटीसी भवन शामिल होगा। प्रधानमंत्री हिसार से अयोध्या के लिए पहली उड़ान को भी हरी झंडी दिखाएंगे। हिसार से अयोध्या (सप्ताह में दो बार) के लिए निर्धारित उड़ानों और जम्मू, अहमदाबाद, जयपुर तथा चंडीगढ़ के लिए सप्ताह में तीन उड़ानों के साथ यह उपलब्धि हरियाणा की विमानन कनेक्टिविटी में एक महत्वपूर्ण छलांग होगी।

बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस क्षेत्र में अंतिम छोर तक बिजली पहुंचाने के विजन के तहत प्रधानमंत्री यमुनानगर में दीनबंधु छोटू राम थर्मल पावर प्लांट की 800 मेगावाट की आधुनिक थर्मल पावर यूनिट की आधारशिला रखेंगे। 233 एकड़ में फैली यह यूनिट करीब 8,470 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी। इससे हरियाणा की ऊर्जा आत्मनिर्भरता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और पूरे राज्य में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

गोबरधन यानी जैविक जैव-कृषि संसाधन धन को बढ़ावा देने के विजन को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री यमुनानगर के मुकरबपुर में एक संपीड़ित बायोगैस संयंत्र की आधारशिला रखेंगे।

शोभा यात्रा व शिव पूजा से हुआ राज्य स्तरीय कालेश्वर बैसाखी मेले का आगाज

भारतेन्दु संवाददाता

देहरा : शोभायात्रा और कालेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना के साथ तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कालेश्वर बैसाखी मेले का आज आग़ाज़ हुआ। विधायक जवालामुखी संजय रतन ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर कांग्रेस नेता सुरेंद्र सिंह मनकोटिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने पंजतीर्थी से कालेश्वर महादेव मंदिर तक निकाली गई शोभा यात्रा में भाग लिया और ऐतिहासिक शिव मंदिर में पूजा अर्चना की।

संजय रतन ने प्रदेश वासियों को बैसाखी पर्व की शुभकामनाएं दी और कहा कि आज पूरे भारतवर्ष में बैसाखी का महापर्व धूमधाम और हर्षोउल्लास के साथ

मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कालेश्वर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय बैसाखी मेले का अपना ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि बैसाखी का त्योहार हमारा पारम्परिक पर्व है जिसे कालेश्वर महादेव मंदिर में राज्य स्तरीय मेले के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इसका आयोजन राज्यस्तर पर इस दिव्य स्थान में होना हमारे लिए बड़े गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि कालेश्वर महादेव में बैसाखी के दिन स्नान से पांच तीर्थों का पुण्य प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि अपनी संस्कृति को संजोए रखने हेतु इन मेलों का बहुत महत्व है। प्रदेश सरकार सांस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कलाकारों को मेले में मनोरंजन के लिए बुला रही है। उन्होंने कहा कि राज्य स्तरीय बैसाखी मेले में आस्था और परंपरा के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संगम भी देखने को मिलेगा।

सुख की सरकार, ग्रामीण नौनिहालों के लिए बेहतर शैक्षणिक संस्थान कर रही तैयार

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : कांगड़ा जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए वर्तमान सरकार तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

सरकारी क्षेत्र में उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थान तैयार करने के सीएम के विजन पर कांगड़ा जिला के लिए पहले चरण में आठ डे बोर्डिंग स्कूल स्वीकृत किए गए हैं जिनमें से छह डे बोर्डिंग स्कूल की आधाशिला रखी जा चुकी है जबकि दो स्कूलों में कार्य आरंभ भी हो चुका है।

इसके अतिरिक्त शाहपुर के रैत तथा जसवां प्रागपुर में भी डे बोर्डिंग स्कूल खोलना प्रस्तावित हैं।

मंडी जिला में प्रारम्भिक शिक्षा के माध्यम से छात्रवृत्ति व अन्य प्रोत्साहन योजनाओं पर 12.42 करोड़ रुपए व्यय

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : किसी भी कल्याणकारी राज्य में सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा एक प्रमुख तत्व होता है जो एक सुशिक्षित समाज की परिकल्पना को साकार करता है।

वर्तमान प्रदेश सरकार प्रत्येक बच्चे की प्रारम्भिक शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चत करने के लिए दृढ़ कदम उठा रही है। इसके दृष्टिगत पूरे प्रदेश सहित मंडी जिला में भी शिक्षा विभाग के माध्यम से विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का सफल संचालन किया जा रहा है। गत वर्ष के कार्यकाल में वर्तमान प्रदेश सरकार ने छात्रवृत्ति सहित अन्य योजनाओं पर जिला में लगभग 12.42 करोड़ रुपए व्यय किए हैं।

गरीब परिवारों के बच्चों को बेहतर शिक्षा सुनिश्चित करने के दृष्टिगत आईआरडीपी छात्रवृत्ति योजना संचालित की जा रही है। मंडी जिला में इस योजना के अंतर्गत गत वर्ष पहली से आठवीं कक्षा तक के 9411 पात्र छात्र-छात्राओं को लगभग 56.48 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। यह राशि सीधे उनके बैंक खातों में डाली गई।

माध्यमिक मेधावी छात्रवृत्ति योजना के तहत मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। मंडी जिला में गत वर्ष इस योजना के तहत पहली से आठवीं कक्षा तक के 292 छात्र-छात्राओं को लगभग 3.50 लाख रुपए प्रदान किए गए।

14 से 20 अप्रैल मनाया जाएगा अग्निशमन सेवा सप्ताह

भारतेन्दु संवाददाता

धर्मशाला : आदेशक गृह रक्षा, नवीं वाहिनी धर्मशाला मदनलाल कौशल ने प्रेस नोट के माध्यम से

जानकारी दी कि आग से होने वाली हानि को कम करने के उद्देश्य से जनता में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए पूरे देश में हर वर्ष 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया जाता है।

इसके अनुरूप हिमाचल प्रदेश अग्निशमन विभाग भी 14 से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह मनाएगा, जिसमें पूरे राज्य में कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया जायेगा। जिसका विषय होगा 'एकजुट हों, अग्नि सुरक्षित भारत को प्रज्वलित करें'। उन्होंने बताया कि इस दौरान आयोजित किये जा रहे अन्य कार्यक्रर्मों के अलावा राज्य के सभी जिलों में 9वीं से 12वीं तक के स्कूली बच्चों के लिए एक राज्यव्यापी निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह एक ऑनलाइन प्रतियोगिता है, जिसमें छात्र उपर दिए गये लिंक पर अपने निबंध/पोस्टर अपलोड करके भाग ले सकते हैं। प्रविष्टियों हिंदी या अंग्रेजी में हो सकती हैं। इसके लिए पंजीकरण 11 अप्रैल से शुरू होगा और प्रविष्टियां 16 अप्रैल शाम 5 बजे तक प्राप्त की जाएंगी।

विश्व होम्योपैथिक दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : शैम रॉक रोजेज़ स्कूल कच्चीघाटी में बैसाखी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वहीं स्कूल की प्रधानाचार्य प्रीति चुट्टानी ने बच्चों को बैसाखी की सम्पूर्ण जानकारी दी। बैसाखी के शुभ अवसर में बच्चों ने चित्रकला , सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। प्रधानाचार्य ने बच्चों को बताया कि पंजाबी नववर्ष बैसाखी के दिन से शुरू होता है। बैसाखी को वैशाखी भी कहा जाता है। विशाखा नक्षत्र पूर्णिमा में होने के कारण इस माह को बैसाख कहते हैं। वैशाख माह के पहले दिन सूर्य मेष राशि में गोचर करते हैं। बैसाखी मौसम बदलने का प्रतीक भी है क्योंकि इस दन से सर्दियां पूरी तरह समाप्त होती है और गर्मियों का आगमन माना जाता है।

रिवालसर में चार दिवसीय बैसाखी मेला शुरू

भारतेन्दु संवाददाता

मंडी : धार्मिक और पर्यटन नगरी रिवालसर में बैसाखी के अवसर पर आयोजित होने वाला चार दिवसीय मेला आज शनिवार से शुरू हो गया। बाबा लोमष ऋषि मन्दिर में उपस्थित समस्त देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (आईटी, इनोवेशन एंड गवर्नेंस) गोकुल बुटेल ने अराध्य देव श्री बाबा लोमष ऋषि व माता श्री नैणा देवी का रथ खींच कर भव्य जलेब की अगवाई की। यह भव्य शोभायात्रा बाबा लोमष ऋषि मन्दिर से शुरू हुई तथा पवित्र रिवालसर झील की परिक्रमा करते हुए सभा स्थल में पहुँची। इस अवसर पर गुरु गोबिंद सिंह गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी और ब्रह्मकुमारी संस्था ने झांकी भी

निकाली। इस मौके पर गोकुल बुटेल ने कहा कि रिवालसर त्रिवेणी संगम है जहां हिन्दु, सिक्ख और बौध धर्म के लोग सदियों से प्रेम और आपसी भाईचारे से रहते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन मेलों से न केवल आपसी भाईचारे की भावना को और बल मिलता है, बल्कि इस तरह के आयोजन सांप्रदायिक सद्भाव को सुदृढ़ बनाने तथा सांस्कृतिक विरासत को सहेजने में भी अहम योगदान देते हैं।

उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता व्यक्त की कि यहां इस तरह के मेलों में सभी धर्म के लोग एकमेव होकर आयोजन में बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। यह हमारी हिमाचली संस्कृति का भी अभिन्न अंग है जहां सभी लोग मेले एवं त्यौहार मिलजुल कर हंसी-खुशी मनाते आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि रिवालसर अपने धार्मिक महत्व के साथ ही पर्यटन क्षेत्र में भी अहम स्थान रखता है।

अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025 का समापन विशिष्ट आगंतुक दिवस के साथ काकीनाडा, आंध्र प्रदेश में हुआ

नई दिल्ली : भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच द्विपक्षीय त्रि-सेवा मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) जल-थल-स्थल अभ्यास टाइगर ट्रायम्फ 2025 का चौथा संस्करण 11 अप्रैल 25 को काकीनाडा में विशिष्ट आगंतुक (डीवी) दिवस के साथ संपन्न हुआ।

डीवी दिवस में तमिलनाडु और पुडुचेरी नौसेना क्षेत्र (एफओटीएनए) के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग, अमेरिकी महावाणिज्यदूत, अमेरिकी नौसेना स्ट्राइक ग्रुप पांच के कमांडर और 54 इन्फैंट्री डिवीजन के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डी.वी. दिवस पर काकीनाडा के तट पर तथा उसके निकट जटिल ऑपरेशनों का निर्बाध निष्पादन देखा गया, जिसमें स्टैंडऑफ तथा हार्ड बीचिंग, एस.सी. तथा एम.आई.-17 वी5 हेलीकॉप्टरों से विशेष ऑपरेशन बलों द्वारा स्लिथरिंग ऑपरेशन, सी-130 विमानों की भागीदारी तथा भारतीय नौसेना, भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, अमेरिकी नौसेना, अमेरिकी सेना तथा अमेरिकी मरीन कोर द्वारा एकीकृत हवाई ऑपरेशन शामिल थे।

यह अभियान भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की सशस्त्र सेनाओं के बीच संयुक्त युद्ध अभ्यास, संयुक्त कौशल और अंतर-संचालन क्षमता के उन्नत स्तर को दर्शाता है।

भारत को दुनिया में हर क्षेत्र में प्रथम बनाने की मूल कल्पना शिवाजी ने ही रखी : अमित शाह

नई दिल्ली : केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज शनिवार को महाराष्ट्र के रायगढ़ किले पर छत्रपति शिवाजी महाराज की 345वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजित पवार और केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जहाँ हिन्दवी स्वराज का स्वर्ण सिंहासन प्रस्थापित हुआ, उस ऐतिहासिक रायगढ़ किले पर आना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक रायगढ़ किला बाल शिवा से लेकर छत्रपति के अंतिम समय तक के इतिहास का साक्षी है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दुस्तान के कण-कण में स्वधर्म, स्वभाषा और स्वराज के लिए अपने प्राणों की आहुति देने एक अमर जिजीविषा पैदा की और देखते ही देखते चारों ओर आदिलशाही, मुगलशाही, निजामशाही से घिरा हुआ महाराष्ट्र हिन्दवी स्वराज में बदल गया। अगले कुछ ही वर्षों में अटक से कटक, बंगाल और दक्षिण में तमिलनाडु समेत पूरे देश में स्वराज का स्वप्न सफल होता दिखाई दिया।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब शिवाजी महाराज का जन्म हुआ, उस समय देश की जनता घोर अंधकार में डूबी थी। ऐसा वातावरण था कि किसी के मन में स्वराज की कल्पना आना भी दुष्कर था। देवगिरी के पतन के बाद 100 साल के अंदर ही महाराष्ट्र से लेकर समग्र दक्षिण का पतन हुआ और धीरे-धीरे स्वधर्म और स्वराज की बात को लोग गुनाह समझने लगे। लेकिन ऐसे समय में 12 साल के एक बच्चे ने अपनी माँ जीजाबाई की प्रेरणा से सिन्धु से कन्याकुमारी तक एक बार फिर भगवा फहराने की प्रतिज्ञा की।

शाह ने कहा कि उन्होंने दुनिया के कई नायकों के जीवन चरित्र पढ़े हैं, मगर ऐसी दृढ़ इच्छाशक्ति, अदम्य साहस, अकल्पनीय रणनीति और समाज के हर वर्ग को साथ रखकर एक अपराजेय सेना का निर्माण छत्रपति शिवाजी महाराज के अलावा किसी और ने नहीं किया।

भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) के केन्द्रीय अस्पताल में चिकित्सा शिक्षा का विस्तार

नई दिल्ली : भारत के अग्रणी कोकिंग कोल उत्पादक भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल) ने अपने केन्द्रीय अस्पताल धनबाद (सीएचडी) में डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तार करके देश के स्वास्थ्य सेवा से संबंधित ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में नेत्र विज्ञान विशेषज्ञता पाठ्यक्रम को शामिल किए जाने से कुल पांच प्रमुख विषय हो गए हैं, जिनमें सीएचडी को कोल इंडिया की सभी सहायक कंपनियों में सबसे व्यापक डीएनबी प्रशिक्षण केन्द्र के रूप में स्थान मिला है।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा प्रदान की जाने वाली डीएनबी योग्यता को भारत में एमडी/एमएस डिग्री के समकक्ष माना जाता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि सीएचडी के कार्यक्रम चिकित्सा शिक्षा के उच्चतम मानकों को पूरा करते हैं।

आंतरिक क्षमताओं को बढ़ाने और देश भर में कोयला उद्योग एवं पूरे धनबाद तथा आस-पास के क्षेत्रों को सर्वोत्तम तरीके से सेवा प्रदान करने के एक रणनीतिक कदम के रूप में, सीएचडी ने सीआईएल तथा उसकी सहायक कंपनियों के आंतरिक डॉक्टरों के लिए डीएनबी की कुल सीटों में से 50 प्रतिशत सीटें आरक्षित की हैं, जिससे उन्हें विशेष भूमिकाओं में आगे बढ़ने में सुविधा होगी। शेष 50 प्रतिशत सीटें देश भर के उम्मीदवारों के लिए खुली हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया कल बिहार की राजधानी पटना में जय भीम पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे

नई दिल्ली : डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल और श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया 13 अप्रैल 2025 को बिहार की राजधानी पटना में जय भीम पदयात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसमें 10,000 से अधिक माय भारत स्वयंसेवकों के भाग लेने की उम्मीद है। इसी तरह की पदयात्राएं कल भारत के सभी प्रमुख राज्यों की राजधानियों में एक साथ शुरू की जाएंगी। यह पहली बार है जब राज्यों की राजधानियों में एक राष्ट्रव्यापी पदयात्रा आयोजित की जा रही है, जिसमें बाबासाहेब के समानता, न्याय और बंधुत्व के दृष्टिकोण के प्रति सामूहिक श्रद्धांजलि के रूप में हजारों युवाओं को एकजुट किया जाएगा।

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं के लिए 5वें 'कैंडिडेट ओपन हाउस' का आयोजन कर रहा है

नई दिल्ली : कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने 11 अप्रैल 2025 को 5वें कैंडिडेट ओपन हाउस का आयोजन किया। सत्र के दौरान प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं ने अपनी परिवर्तनकारी यात्रा साझा किए।

पांचवें ऑनलाइन 'कैंडिडेट ओपन हाउस' के अंतर्गत के कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के प्रशिक्षुओं को अपने शुरुआती अनुभव साझा करने के लिए एक साथ लाया। यह सत्र उम्मीदवारों, वर्तमान प्रशिक्षुओं और उद्योग हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है । इसमें 557 प्रतिभागियों की उपस्थिति थी।

4 अप्रैल, 2025 को ओपन हाउस के पिछले संस्करण में ओएनजीसी के प्रशिक्षुओं ने अपनी सीखने की यात्रा साझा की थी, जबकि ओएनजीसी में कौशल विकास के प्रमुख अनिल बहुगुणा ने बताया कि कैसे संगठन युवाओं को मुख्य कौशल, सॉफ्ट स्किल और समग्र व्यक्तित्व विकास के माध्यम से मदद कर रहा है।

11 अप्रैल 2025 को इसे आगे बढ़ाते हुए एचडीएफसी बैंक के श्री प्रियो रूप गुहा-एचआर लीड (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) ने बताया कि कैसे एचडीएफसी एचआर की पीएम इंटर्नशिप योजना के साथ सक्रिय रूप से भागीदारी कर रहा है, ताकि इच्छुक छात्रों को नौकरी के लिए तैयार पेशेवरों में बदला जा सके।

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने 2024-25 के दौरान हाइड्रो पंप स्टोरेज परियोजनाओं की रिकॉर्ड संख्या में विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को मंजूरी दी

नई दिल्ली : विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड समय में लगभग 7.5 गीगावाट की निम्नलिखित 6 हाइड्रो पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर सहमति जताई है। यह उन्नत दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करने की देश की जारी प्रतिबद्धता में एक बड़ी उपलब्धि है। यह पीएसपी डेवलपर्स और मूल्यांकन संगठनों (सीडब्ल्यूसी, जीएसआई और सीएसएमआरएस) के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है। समस्याओं का समाधान करने और मूल्यांकन प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिए कई कदम उठाए गए। ऑफ-स्ट्रीम, क्लोज लूप पीएसपी की नई अवधारणा की शुरुआत के बाद से यह एक बड़ी उपलब्धि है। सीईए ने पोर्टल जलवी स्टोर के माध्यम से मूल्यांकन प्रक्रिया को पारदर्शी बना दिया है। मूल्यांकन के लिए डीपीआर को छोटा कर दिया गया है। मूल्यांकन एजेंसी को अध्याय प्रस्तुत करने में आसानी के लिए चेक लिस्ट प्रदान की गई है और ऐसी कई और पहल की गई हैं।

इसके अलावा, सीईए ने 2025-26 के दौरान लगभग 22 गीगावॉट की कम से कम 13 पीएसपी को मंजूरी देने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। इनमें से अधिकांश पीएसपी को 4 साल में और 2030 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है।

पानी के नीचे की तकनीक में भारत के वैश्विक मानक स्थापित कर रही है

चेन्नई : केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज चेन्नई के राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) में अंतर्जलीय ध्वनिक परीक्षण सुविधा (एटीएफ) की वैश्विक मान्यता और अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणन की प्रशंसा की है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे अंतर्जलीय ध्वनिकी और महासागर प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत की यात्रा में एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है।

अफ्रीका भारत महत्वपूर्ण समुद्री सहभागिता 2025

नई दिल्ली : अफ्रीका भारत महत्वपूर्ण समुद्री सहभागिता 2025 अफ्रीका और भारत के मध्य प्रमुख समुद्री सहयोग के पैमाने पर आयोजित होने वाला बहुपक्षीय अभ्यास है।

इसका संस्कृत में अर्थ एकता है और उद्घाटन संस्करण 13 से 18 अप्रैल 2025 तक छह दिनों के लिए योजनाबद्ध है। इसमें कोमोरोस, जिबूती, केन्या, मेडागास्कर, मॉरीशस, मोजाम्बिक, सेशेल्स और दक्षिण अफ्रीका के साथ-साथ सह-मेजबान भारत व तंजानिया भी भाग लेंगे।

यह पहल भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दृष्टिकोण के अनुरूप है, जो समुद्री क्षेत्र में सुरक्षा और विकास के लिए पारस्परिक एवं समग्र

विकास (महासागर) को बढ़ावा देता है। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस चेन्नई (डिस्ट्रॉयर) और आईएनएस केसरी [लैंडिंग शिप टैंक (विशाल)] क्रमश: 10 व 11 अप्रैल 2025 को दार-एस-सलाम पहुंचे।

डीए तंजानिया और लाइजन टीम द्वारा इन जहाजों का स्वागत किया गया। आईएनएस चेन्नई पर औपचारिक गार्ड परेड भी की गई, जिसमें तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना बैंड ने एक स्वर में दोनों देशों के राष्ट्रगान बजाए। एआईकेईएमई का उद्घाटन समारोह तंजानिया पीपुल्स डिफेंस फोर्स (टीपीडीएफ) के साथ जहाज पर ही आयोजित किया जाएगा।

एआईकेईवाईएमई 2025 के बंदरगाह चरण में एक उद्घाटन समारोह और डेक रिसेप्शन शामिल होगा, जिसमें माननीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ तथा तंजानिया के रक्षा मंत्री मुख्य अतिथि होंगे।

ब्रीफ न्यूज

टैरिफ जंग : अमेरिका-रूस के बीच कारोबारी रिश्ते हो रहे खत्म

नई दिल्ली : चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ जंग तीखी हो गई है। जिस तरह यह बढ़ गई है, उससे दोनों देशों के बीच कारोबारी रिश्ते करीब-करीब खत्म होते दिख रहे हैं।

एक-दूसरे पर अमेरिका और चीन ने बेहद ऊंचे टैक्स लगा दिए हैं। इसके बाद दोनों देशों के लिए अपने उत्पादों को एक-दूसरे के यहां बेच पाना नामुमकिन है। विश्व व्यापार संगठन ने हाल में इसे लेकर एक अनुमान भी जारी किया था। उसने चेतावनी दी थी कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार तनाव के कारण दोनों देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 80 प्रतिशत तक कम होने की आशंका है।

भारतीयों को सेकेंड हैंड मकान खरीदने पर पाबंदी

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने आवास की समस्या को दूर करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने भारतीयों के साथ सभी विदेशी निवेशकों के लिए मौजूदा मकानों को खरीदने पर दो साल की रोक लगा दी है। यह नियम 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2027 तक लागू रहेगा। पहले भी विपक्ष ने ऐसा ही प्रस्ताव रखा था। यानी अब दो साल तक कोई भी विदेशी ऑस्ट्रेलिया में सेकेंड हैंड मकान नहीं खरीद पाएगा। हालांकि, उन्हें नए बन रहे मकान खरीदने की इजाजत होगी। आवास मंत्री क्लेयर ओ नील का कहना है कि यह फैसला आवास समस्या का पूरी तरह से समाधान नहीं है।

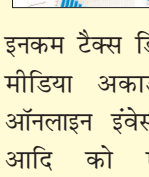

एक दिन में 6,250 रुपए प्रति 10 ग्राम उछला सोने का भाव

नई दिल्ली : सोने की कीमत में शुक्रवार को सुनामी देखने को मिली। राष्ट्रीय राजधानी में 24 कैरेट सोने की कीमत आज एक दिन में 6,250 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली पीली धातु 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। चार दिनों की तेज गिरावट के बाद 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 6,250 रुपये बढ़कर 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जबकि पिछला बंद भाव 89,750 रुपये प्रति 10 ग्राम था। पीटीआई की खबर के मुताबिक, चांदी की कीमत भी ?2300 प्रति किलोग्राम तेज हो गई। दिल्ली में चांदी की कीमत शुक्रवार को 2,300 रुपये प्रति किलो की भारी तेजी के साथ 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

टैक्स चोरी : बिना बताए सोशल मीडिया अकाउंट और ई-मेल छानेगा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट

नई दिल्ली : देश में टैक्स चोरी को रोकने के लिए सरकार काफी गंभीर है और इसके लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को कई और ताकतें मिलने जा रही हैं। 1 अप्रैल, 2026 से शुरू इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के पास आपके सोशल मीडिया अकाउंट, ई-मेल, बैंक अकाउंट, ऑनलाइन इंवेस्टमेंट अकाउंट, ट्रेडिंग अकाउंट आदि को एक्सेस करने का कानूनी अधिकार होगा। हालांकि, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ऐसा तभी करेगा जब उन्हें संदेह होगा कि आपने टैक्स चोरी की है।

ट्रंप टैरिफ से दुनिया की जीडीपी में 3 प्रतिशत की गिरावट आएगी

नई दिल्ली : अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा दुनियाभर के देशों पर लगाए गए टैरिफ का आकलन जारी है। हालांकि, इस बीच ट्रंप ने बहुत सारे देशों पर 90 दिन तक टैरिफ में बढ़ोतरी के फैसले को टाल दिया है। लेकिन चीन पर उन्होंने 145 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। इस बीच दुनियाभर के अर्थशास्त्री इस टैरिफ का दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर का आकलन कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रमुख अर्थशास्त्री के अनुसार, अमेरिका द्वारा लगाए गए नए शुल्कों के चलते वैश्विक व्यापार में लगभग 3 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिल सकती है। इस गिरावट के चलते अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों से निर्यात अब भारत, कनाडा और ब्राजील जैसे देशों की ओर स्थानांतरित हो सकता है। यानी भारत को इस टैरिफ वॉर में फायदा मिलने की उम्मीद है। जिनेवा में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र की कार्यकारी निदेशक पामेला कोक-हैमिल्टन ने शुक्रवार को कहा कि नए व्यापारिक तरीके और आर्थिक एकीकरण में बदलाव के कारण वैश्विक व्यापार में तीन प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। उन्होंने आगे बताया, उदाहरण के तौर पर, मेक्सिको से निर्यात जो अब अमेरिका, चीन, यूरोप और अन्य लातिन अमेरिकी बाजारों से हटता दिख रहा है, कनाडा और ब्राजील में निर्यात में मामूली वृद्धि का कारक बन रहा है, और कुछ हद तक भारत को भी लाभ पहुंचा रहा है। उन्होंने कहा कि वियतनाम का निर्यात अमेरिका, मेक्सिको और चीन की तुलना में पश्चिम एशिया, उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए), यूरोपीय संघ, दक्षिण कोरिया और अन्य बाजारों की ओर अधिक अग्रसर हो रहा है। परिधान उद्योग का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र विकासशील देशों के लिए आर्थिक गतिविधि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण है। अगर दुनिया के दूसरे सबसे बड़े परिधान निर्यातक बांग्लादेश पर लय टैरिफ लागू होता है तो 37 प्रतिशत का जवाबी शुल्क झेलना पड़ सकता है, जिससे 2029 तक अमेरिकी निर्यात में वार्षिक 3.3 अरब डॉलर की कमी आ सकती है। उन्होंने यह भी जोर देकर कहा कि विकासशील देशों को वैश्विक संकट—चाहे वह कोविड महामारी, जलवायु परिवर्तन या नीतिगत बदलाव हों—से निपटने के लिए विविधीकरण, मूल्य संवर्धन और क्षेत्रीय एकीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

बैंकों के ब्याज घटाने के बाद एफडी से बेहतर हुआ पोस्ट ऑफिस की टीडी सेविंग स्कीम

नई दिल्ली : भारतीय रिजर्व बैंक ने लगातार दूसरी बार रेपो रेट में कटौती की है। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक, यस बैंक, केनरा बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इक्विटास और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक समेत कई बैंकों ने एफडी पर ब्याज घटा दिया है। यानी अब एफडी कराने वाले निवेशकों को कम रिटर्न मिलेगा। अगर आप भी एफडी कराने की सोच रहे हैं और कम ब्याज दर मिलने से परेशान हैं तो आप पोस्ट ऑफिस की टाइम डिजापिट सेविंग (टीडी) स्कीम का विकल्प चुन सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की टीडी में निवेश करने पर आपको ज्यादा रिटर्न मिलेगा।

पोस्ट ऑफिस में 5 साल की टीडी पर अभी 7.5 प्रतिशत की दर से ब्याज मिल रहा है। वहीं, इस अवधि के एफडी पर बैंक 6.5 प्रतिशत से लेकर 7.1 प्रतिशत की दर से ब्याज दे रहे हैं। इतना ही नहीं, बैंक एफडी में 5 लाख रुपये तक ही बीमा मिलता है। यानी अगर बैंक डूबता है तो आपका 5 लाख तक ही निवेश सुरक्षित रहेगा।

ट्रंप ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर, मेमोरी चिप को किया टैक्स से बाहर

नई दिल्ली : दुनियाभर में टैरिफ के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक और फैसला लिया है। उन्होंने कुछ चीजों पर लगने वाले टैक्स को माफ कर दिया है। इससे ग्राहकों को महंगाई से राहत मिलेगी। साथ ही, ऐप्पल और सैमसंग जैसी बड़ी कंपनियों को भी फायदा होगा। ट्रंप प्रशासन ने पहले चीन पर ज्यादा टैक्स लगाया था। अब इस फैसले से उनकी रेसिप्रोकल टैरिफ वाली रणनीति थोड़ी नरम पड़ गई है। अमेरिका अब आर्थिक दबाव और महंगाई के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है।

खबर है कि ट्रंप प्रशासन ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक सामानों को प्रस्तावित टैक्स से बाहर कर दिया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि लोगों को अचानक होने वाली महंगाई से बचाया जा सके। यह भी माना जा रहा है कि यह एक सोचा-समझा कदम है। इससे कारोबारियों और वोटरों को महंगाई और सप्लाई में होने वाली दिक्कतों से बचाया जा सकेगा। वहीं दूसरी ओर इसे चीन की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाने से भी जोड़ा जा रहा है।

सेमीकंडक्टर बाजार में बजेगा भारत का डंका

नई दिल्ली : सेमीकंडक्टर मार्केट में आने वाला समय भारत का होने वाला है। एक नई रिपोर्ट में इस बारे में बताया गया है। यह रिपोर्ट यूएसबी नाम की एक फाइनेंस कंपनी ने दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग बहुत तेजी से बढ़ने वाला है। सेमीकंडक्टर मतलब वो चिप जो मोबाइल, कंप्यूटर और गाड़ियों जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान में लगती है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सेमीकंडक्टर की मांग बहुत ज्यादा बढ़ने वाली है। साल 2025 तक यह मांग 54 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी और 2030 तक यह बढ़कर 108 बिलियन डॉलर हो जाएगी। मतलब लगभग दोगुनी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का सेमीकंडक्टर बाजार हर साल 15 फीसदी की दर से बढ़ेगा। इसे कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट कहते हैं।

भारत में युवा लोग बहुत हैं। बिजनेस में भी आधुनिक चिप का इस्तेमाल बढ़ रहा है।

ग्लेन मैक्सवेल पर बुरी तरह भड़के श्रेयस अय्यर

मुंबई : आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के बीच इस सीजन का 27वां लीग मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें पंजाब किंग्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 245 रनों का स्कोर बनाया है। इस मैच में पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर के बल्ले से बेहतरीन 82 रनों की पारी देखने को मिली। वहीं इस मैच में जब हैदराबाद की टीम टारगेट का पीछा करने उतरी तो श्रेयस अय्यर का गुस्सा देखने को मिला जो ग्लेन मैक्सवेल को लेकर था।

सनराइजर्स हैदराबाद की टीम जब 264 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी तो उनकी पारी के 5वें ओवर में पंजाब किंग्स टीम की तरफ से गेंदबाजी करने ग्लेन मैक्सवेल आए जिन्होंने अपने ओवर की दूसरी गेंद फेंकी जिसका सामना ट्रेविस हेड कर रहे थे, तो वह थोड़ा लेग स्टंप की तरफ थी जिसे अंपायर ने वाइड करार दे दिया। इस फैसले को लेकर मैक्सवेल ने थोड़ा नाराजगी जताई और अंपायर की तरफ डीआरएस लेने का इशारा कर दिया।

इसी दौरान पंजाब किंग्स टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने तुरंत अपने विकेटकीपर की तरफ देखा जिसमें वह डीआरएस लेने के फैसले से बिल्कुल भी खुश नहीं थे और वह साफ मैक्सवेल पर अपना गुस्सा मैदान पर जाहिर करते हुए दिखाई दिए जिसमें उन्होंने कहा कि कोई मुझसे तो पूछ लो।

सनराइजर्स हैदराबाद ने दर्ज की दूसरी बड़ी जीत

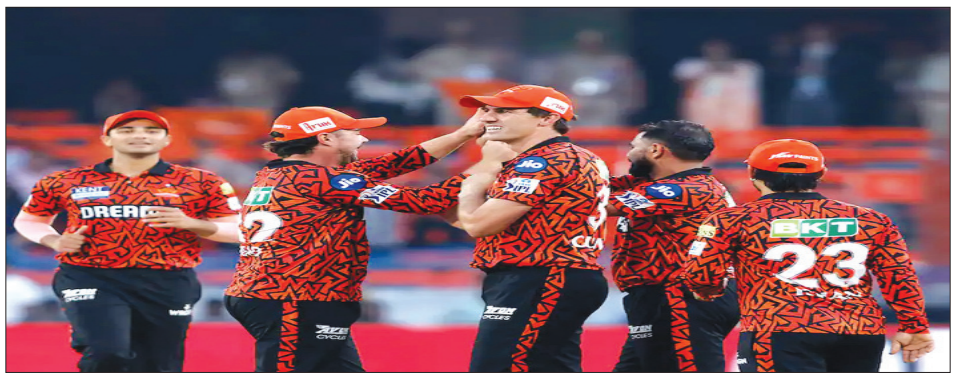

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ बड़ा कारनामा कर दिया। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 245 रनों का स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में सनराइजर्स हैदराबाद ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के ऐतिहासिक शतक के दम पर 246 रनों का टारगेट हासिल करते हुए बड़ा कीर्तिमान रच दिया। स्क्रा॥ ने आईपीएल के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। आईपीएल में सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम है। पंजाब ने चयक्र के खिलाफ 262 रनों का टारगेट हासिल किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर 226 रनों का टारेगट था, जिसे अब एसआरएच ने पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ ही एसआरएच ने टी20 क्रिकेट में चौथा सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने का भी बड़ा कारनामा कर दिया। एसआरएच की इस रिकॉर्डतोड़ जीत में अभिषेक शर्मा ने 55 गेंदों पर 14 चौके और 10 छक्कों की मदद से 141 रनों की पारी खेली। वहीं, ट्रेविस हेड ने 37 गेंदों पर 66 रन बनाए। हेनरिक क्लासेन 21 और इशान किशन 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। पंजाब की ओर से चहल और अर्शदीप ने सिर्फ 1-1 विकेट अपने नाम किए। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर के 82 रनों की पारी के दम पर 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 245 रनों का स्कोर खड़ा किया था। प्रभसिमरन ने 23 गेंदों पर 42 रनों का योगदान दिया। डेथ ओवर्स में मार्कस स्टोयनिस ने ताबड़तोड़ 11 गेंदों पर 34 रन बनाए। स्टोयनिस ने अपनी पारी में 1 चौका और एक छक्का जड़ा।

पंजाब को हराने के साथ ही स्क्रा॥ को सीजन की दूसरी जीत मिल गई है। हैदराबाद को ये जीत लगातार 4 हार के बाद नसीब हुई है। इस जीत के बाद एसआरएच पाइंट्स टेबल में 2 पायदान की छलांग लगाते हुए 8वें पायदान पर पहुंच गई है। वहीं, मुंबई इंडियंस 9वें और चेन्नई सुपर किंग्स 10वें पायदान पर चली गई है।

मोहम्मद शमी आईपीएल के 4 ओवर में बने सबसे महंगे भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली : आईपीएल 2025 के 27वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया, जिसकी कल्पना भी किसी ने नहीं की होगी। इस मैच में पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने मोहम्मद शमी की गेंदों की जमकर खबर ली और 4 ओवर में इतने ज्यादा रन कूट दिए कि आईपीएल का बेहद शर्मनाक रिकॉर्ड बन गया। शमी इंग्लिश गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के आईपीएल में सबसे महंगे स्पेल की बराबरी करने से सिर्फ एक रन से चूक गए। हालांकि, शमी ने आईपीएल में सबसे महंगे भारतीय गेंदबाज बनने का अनचाहा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया।

दरअसल, सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान श्रेयस अय्यर

ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। पंजाब ने धमाकेदार अंदाज में पारी का आगाज किया और पहले तीन ओवरों में ही 50 से ज्यादा रन ठोक दिए। पंजाब की पारी के पहले 3 ओवरों में 2 ओवर मोहम्मद शमी ने फेंके। पहले ओवर में शमी ने 14 रन लुटाए और फिर तीसरे ओवर में अपने स्पेल का दूसरा ओवर डालने आए। इस ओवर में शमी को 3 छक्के पड़े। प्रियांश आर्य ने 2 छक्के जड़े जबकि एक छक्का प्रभसिमरन ने लगाया। इस तरह शमी ने अपने 2 ओवर में ही 37 रन लुटा दिए। शमी की धुनाई होता देख कप्तान पैट कमिंस को हर्षल पटेल को गेंद थमाने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके काफी देर बाद शमी को 13वें ओवर में गेंदबाजी के लिए बुलाया गया। यहां भी शमी महंगे साबित हुए। उन्होंने अपने तीसरे ओवर में 11 रन लुटा दिए।

मोहम्मद शमी अपने कोटे का आखिरी ओवर 20वें ओवर में करने आए। यहां उनका सामना मार्कस स्टोयनिस से हुआ। ओवर की पहली 2 गेंदें तो किफायती रहीं, लेकिन फिर स्टोयनिस ने अगली 4 गेंदों पर लगातार 4 छक्के जड़ते हुए शमी का बुरा हाल कर दिया। इस आखिरी ओवर में शमी ने 27 रन लुटाए।

बाबर आजम पहले ही मैच में फ्लॉप

नई दिल्ली : पाकिस्तान सुपर लीग यानी क्रस्रु के 10वें का 11

अप्रैल से आगाज हो चुका है। क्रस्रु 2025 का पहला मुकाबला लाहौर कलंदर्स और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच रावलपिंडी में खेला गया। इसके बाद टूर्नामेंट के दूसरे मैच में क्वेटा ग्लैडिएटर्स और पेशावर जाल्मी का रावलपिंडी में आमना-सामना हुआ। इस मैच में पाकिस्तानी फैंस को स्टार बल्लेबाज और पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम से काफी उम्मीदें थी, लेकिन लाहौर कलंदर्स के तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर ने शानदार गेंदबाजी से सभी को हैरान कर दिया।

एलएसजी ने रोका गुजरात टाइटंस का विजय रथ

नई दिल्ली : गुजरात टाइटंस की टीम जिन्होंने आईपीएल 2025 में अपने शुरुआत 5 में से चार मुकाबलों में लगातार जीत दर्ज की थी, उनको छठे मैच में 6 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 180 रनों का स्कोर बनाया था, जिसका पीछा लखनऊ की टीम ने 19.3 ओवर्स में 4 विकेट के नुकसान पर कर लिया। इस मैच में एलएसजी की टीम के लिए बल्ले से एडन मारक्रम और निकोलस पूरन ने अहम भूमिका निभाई जिसमें दोनों अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे।

लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम जब इस मुकाबले में टारगेट का पीछा करने उतरी तो उनकी तरफ से ओपनिंग में एडन मारक्रम के साथ ऋषभ पंत की जोड़ी इस मैच में उतरी जिसमें दोनों ने पहले 6 ओवर्स में टीम का स्कोर 61 रनों तक पहुंचा दिया। लखनऊ की टीम को पहला झटका 65 के स्कोर पर कप्तान ऋषभ पंत के रूप में लगा जो 21 रनों की पारी खेलने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर आउट हो गए। वहीं इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरे निकोलस पूरन ने मारक्रम का बखूबी साथ दिया जिसमें दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 29 गेंदों में 58 रनों की साझेदारी देखने को मिली, जिससे लखनऊ की इस मैच में जीत पूरी तरह से पक्की हो गई।

जब में स्वयं पर हंसता हूं तो मेरे मन का बोझ हल्का हो जाता है। *– रवीन्द्रनाथ टैगोर*

मनोवैज्ञानिक समस्याएं बढ़ रही

सड़कों पर अनावश्यक हॉर्न बजाना केवल असहजता ही नहीं बल्कि एक गंभीर समस्या बन चुका है। यह न केवल ध्वनि प्रदूषण को बढ़ावा देता है बल्कि लोगों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। दुनिया के कई देशों में अनावश्यक हॉर्न बजाना कानूनी अपराध है और इसके लिए जुर्माने का प्रावधान है। हॉर्न से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण केवल कानों के लिए ही नहीं, बल्कि समूचे स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 65 डेसीबल से अधिक की ध्वनि को ध्वनि प्रदूषण माना जाता है और 80 डेसीबल या इससे अधिक क्षमता की आवाज हमारे लिए शारीरिक कष्ट का कारण बन सकती है। प्रेशर हॉर्न से उत्पन्न 120 डेसीबल से ऊपर का शोर अत्यधिक दर्दनाक हो सकता है।

लगातार शोरगुल से तनाव, झुंझलाहट, अवसाद, उच्च रक्तचाप और सुनने की क्षमता में कमी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। साथ ही यह अनिद्रा और मानसिक समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। गंभीर ध्वनि प्रदूषण से व्यक्ति बहरापन, याददाश्त एवं एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन, अवसाद जैसी बीमारियों की चपेट में भी आ सकता है। अनावश्यक बजता हॉर्न न केवल ध्वनि प्रदूषण का कारण बनता है, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी इजाफा करता है। विशेष रूप से प्रेशर हॉर्न और मॉडिफाइड हॉर्न की समस्या विकराल होती जा रही है, जिससे कान संबंधी विकार और मनोवैज्ञानिक समस्याएं बढ़ रही हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी द्वारा हाल ही घोषित एक अनूठी पहल के तहत वाहनों के हॉर्न की कर्कश ध्वनि को भारतीय संगीत वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि में बदला जाएगा। वाहनों के हॉर्न में तबला, ताल, वायलिन, बिगुल और बांसुरी जैसे मधुर ध्वनि वाले वाद्य यंत्रों की ध्वनि सुनाई देने की उम्मीद है। यह एक सकारात्मक प्रयास है, जो आने वाले समय में सड़क यातायात के माहौल को रुचिकर बना सकता है। नागरिकों की भी यह जिम्मेदारी बनती है कि वे स्वयं और दूसरों को जागरूक करें ताकि एक शांत और स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। केवल जुर्माना बढ़ाने से समस्या हल नहीं होगी, बल्कि लोगों में जागरूकता लाने और वैकल्पिक समाधानों को अपनाने से ही एक शांत और सुखद वातावरण बनाया जा सकता है।

उत्साह एवं बलिदान का त्योहार है बैसाखी

बैसाखी पंजाब राज्य में सिख समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला प्रमुख त्योहार है। देश-विदेश में बैसाखी के अवसर पर, विशेषकर पंजाब में मेले लगते हैं। लोग सुबह-सुबह सरोवरों और नदियों में स्नान कर मंदिरों और गुरुद्वारों में जाते हैं। लंगर लगाए जाते हैं और चारों तरफ लोग प्रसन्न दिखलाई देते हैं। विशेषकर किसान, गेहूं की फसल को देखकर उनका मन नाचने लगता है। गेहूं को पंजाबी किसान 'कनक' यानी सोना मानते हैं। यह फसल किसान के लिए सोना ही होती है, उसकी मेहनत का रंग दिखाई देता है। बैसाखी पर गेहूं की कटाई शुरू हो जाती है। बैसाखी पर्व बंगाल में पैला नाम से, दक्षिण में बिशु नाम से और केरल, तमिलनाडु व असम में बिहू के नाम से मनाया जाता है...

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

गुरु गोबिंद सिंह जी बैसाखी दिवस को विशेष गौरव देना चाहते थे। इसलिए उन्होंने 1699 ई. को बैसाखी पर श्री आनंदपुर साहिब में विशेष समागम किया। इसमें देशभर की संगत ने आकर इस ऐतिहासिक अवसर पर अपना सहयोग दिया। गुरु गोबिंद सिंह जी ने इस मौके पर संगत को ललकार कर कहा, 'देश को गुलामी से आजाद करने के लिए मुझे एक शीश चाहिए।' गुरु साहिब की ललकार को सुनकर पांच वीरों दया सिंह खत्री, धर्म सिंह जट, मोहकम सिंह छीवां, साहिब सिंह और हिम्मत सिंह ने अपने-अपने शीश गुरु गोबिंद सिंह जी को भेंट किए।

ये पांचों सिंह गुरु साहिब के पंच प्यारे कहलाए। गुरु साहिब ने सबसे पहले इन्हें अमृतपान करवाया और फिर उनसे खुद अमृत पान किया। इस प्रकार 1699 की बैसाखी को खालसा पंथ का जन्म हुआ जिसने संघर्ष करके उत्तर भारत में मुगल साम्राज्य को समाप्त कर दिया। हर साल बैसाखी के उत्सव पर खालसा पंथ का जन्म दिवस मनाया जाता है।

भांगड़ा और गिद्दा

वक्त के साथ भांगड़ा और गिद्दा का स्वरूप बदलता रहा है। किंतु आज भी फसल की कटाई के साथ ही ढोल बजने लगता है, ढोल हमेशा से ही पंजाबियों का साथी रहा है। ढोल से धीमे ताल द्वारा मनमोहक संगीत निकलता है। पिछली सदियों में आक्रमणकारियों से होशियार करने के लिए ढोल बजाया जाता था। इसकी आवाज दूर तक जाती थी। ढोल की आवाज से लोग नींद से जाग जाते थे। संकट के समय ढोल की आवाज लोगों को सूचना देती थी और घरों से निकलकर वे दुश्मन पर टूट पड़ते थे।

बलिदान का त्योहार

देश की परतंत्रता की परिस्थितियों में लोग जूझने के लिए अपने आप को तैयार रखते थे। बैसाखी का त्योहार बलिदान का त्योहार है। 1699 ई. की बैसाखी से हर साल बैसाखी देश की सुरक्षा के लिए लोगों को जगाती आई है। मुगल शासक औरंगजेब ने जुल्म, अन्याय व अत्याचार करते हुए श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी को दिल्ली के चांदनी चौक पर शहीद कर दिया था, तभी गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने अनुयायियों को संगठित कर खालसा पंथ की स्थापना की थी। 1716 ई. में बंदा बहादुर की शहादत के बाद तो पंजाब सिखों की वीरता की मिसाल बन गया। मिसलदार प्रत्येक साल बैसाखी के अवसर पर श्री अमृतसर में हरमंदिर साहिब में वर्ष भर का हिसाब देते थे। 13 अप्रैल 1919 को सैकड़ों लोग जलियांवाला बाग में देश की आजादी के लिए जनरल डायर के सैनिकों की गोलियों के आगे निशस्त्र सीना तान कर खड़े रहे और शहीद हो गए। बैसाखी पर देशवासी इन शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं।

बैसाखी कब मनाएं

विशेषज्ञों का मानना है कि हिंदू पंचांग के अनुसार गुरु गोबिंद सिंह ने वैशाख माह की षष्ठी तिथि के दिन खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसी दिन मकर संक्रांति भी थी। इसी कारण से बैसाखी का पर्व सूर्य की तिथि के अनुसार मनाया जाने लगा। सूर्य मेष राशि में प्राय: 13 या 14 अप्रैल को प्रवेश करता है, इसीलिए बैसाखी भी इसी दिन मनाई जाती है। प्रत्येक 36 साल बाद भारतीय चंद्र गणना के अनुसार बैसाखी 14 अप्रैल को पड़ती है।

विशेष बातें

रात्रि के समय आग जलाकर उसके चारों तरफ इकट्ठे होकर नई फसल की खुशियां मनाई जाती हैं, नए अन्न को अग्नि को समर्पित किया जाता है और पंजाब का परंपरागत नृत्य भांगड़ा तथा गिद्दा किया जाता है। गुरुद्वारों में अरदास के लिए श्रद्धालु जाते हैं। आनंदपुर साहिब में, जहां खालसा पंथ की नींव रखी गई थी, विशेष अरदास और पूजा होती है। गुरुद्वारों में गुरु ग्रंथ साहिब को समारोहपूर्वक बाहर लाकर दूध और जल से प्रतीक रूप से स्नान करवा कर तख्त पर प्रतिष्ठित किया जाता है। इसके बाद पंच प्यारे पंचबानी गायन करते हैं। अरदास के बाद गुरु जी को कड़ाह-प्रसाद का भोग लगाया जाता है।

14 april Page No -7.qxd 4/14/2025 1:15 PM Page 1

हनुमान जयंती : व्रत रखकर मनचाहा वरदान पाएं

हनुमान जयंती एक हिंदू पर्व है। यह चैत्र माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन हनुमानजी का जन्म हुआ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि चैत्र मास की पूर्णिमा को ही भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान ने माता अंजनी के गर्भ से जन्म लिया था। यह व्रत हनुमान जी की जन्मतिथि का है। प्रत्येक देवता की जन्मतिथि एक होती है, परंतु हनुमान जी की दो मनाई जाती हैं। हनुमान जी की जन्मतिथि को लेकर मतभेद हैं। कुछ हनुमान जयंती की तिथि कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी मानते हैं तो कुछ चैत्र शुक्ल पूर्णिमा। इस विषय में ग्रंथों में दोनों के ही उल्लेख मिलते हैं, किंतु इनके कारणों में भिन्नता है। पहला जन्मदिवस है और दूसरा विजय अभिनंदन महोत्सव...

जन्म कथा

हनुमान जी के जन्म के बारे में एक कथा है कि 'अंजनी के उदर से हनुमान जी उत्पन्न हुए। भूखे होने के कारण वे आकाश में उछल गए और उदय होते हुए सूर्य को फल समझकर उसके समीप चले गए। उस दिन पर्व तिथि होने से सूर्य को ग्रसने के लिए राहु आया हुआ था। परंतु हनुमान जी को देखकर उसने उन्हें दूसरा राहु समझा और भागने लगा। तब इंद्र ने अंजनीपुत्र पर वज्र का प्रहार किया। इससे उनकी ठोड़ी टेढ़ी हो गई, जिसके कारण उनका नाम हनुमान पड़ा। जिस दिन हनुमान जी का जन्म हुआ वह दिन चैत्र मास की पूर्णिमा था। यही कारण है कि आज के दिन हनुमान जी की विशेष पूजा-आराधना की जाती है तथा व्रत किया जाता है। साथ ही मूर्ति पर सिंदूर

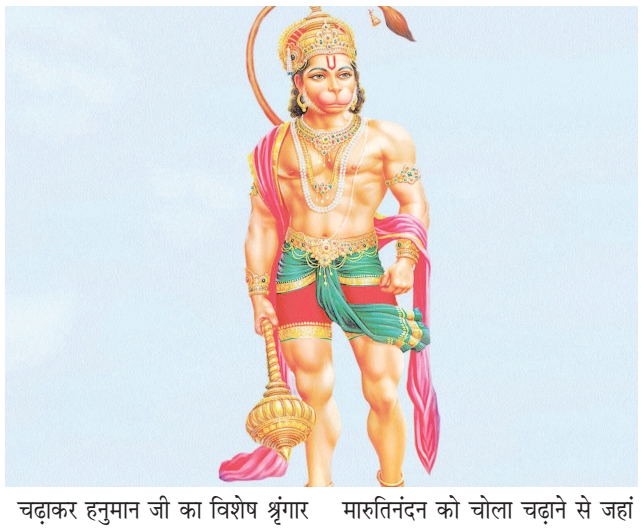

चढ़ाकर हनुमान जी का विशेष श्रृंगार भी किया जाता है। आज के दिन रामभक्तों द्वारा स्नान-ध्यान, भजन-पूजन और सामूहिक पूजा में हनुमान चालीसा और हनुमान जी की आरती के विशेष आयोजन किए जाते हैं।

भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम

मारुतिनंदन को चोला चढ़ाने से जहां सकारात्मक ऊर्जा मिलती है, वहीं बाधाओं से मुक्ति भी मिलती है। पौराणिक कथाओं में कहा गया है कि हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए शनि को शांत करना चाहिए। जब हनुमानजी ने शनिदेव का घमंड तोड़ा था तब सूर्यपुत्र शनिदेव ने हनुमानजी को वचन दिया कि उनकी भक्ति करने वालों की राशि पर आकर भी वे कभी उन्हें पीड़ा नहीं देंगे। कन्या, तुला, वृश्चिक और अढैया शनि वाले तथा कर्क, मीन राशि के जातकों को हनुमान जयंती पर विशेष आराधना करनी चाहिए। हनुमानजी को भक्ति और शक्ति का बेजोड़ संगम बताया गया है। हनुमानजी का शुमार अष्टचिरंजीवी में किया जाता है, यानी वे अजर-अमर देवता हैं। उन्होंने मृत्यु को प्राप्त नहीं किया। बजरंगबली की उपासना करने वाला भक्त कभी पराजित नहीं होता। हनुमानजी का जन्म सूर्योदय के समय बताया गया है, इसलिए इसी काल में उनकी पूजा-अर्चना और आरती का विधान है। हनुमानजी एक महान भक्त, वीर योद्धा और अद्भुत शक्ति के प्रतीक हैं। वे श्रीराम के अनन्य भक्त थे और उनकी सेवा में सदैव तत्पर रहे। उनके व्यक्तित्व में अपार बल, बुद्धि, विद्या और विनम्रता का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। उनका चरित्र नि:स्वार्थता, भक्ति, साहस और धर्म के प्रति निष्ठा को दर्शाता है। संकटमोचन के रूप में वे भक्तों के कष्ट हरते हैं। आज 12 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव है। हनुमान जन्मोत्सव हिंदू धर्म में एक पवित्र पर्व है। हर साल यह पर्व चैत्र माह की शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम और हनुमान का सच्चे मन से स्मरण करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। स्वामी विवेकानंद भी हनुमानजी के उत्कृष्ट गुणों से अत्यंत मोहित थे।

स्वर्ण मंदिर में बैसाखी पर्व

मेले और त्योहार भारतीय संस्कृति की पहचान है। हर उत्सव का खास महत्त्व और विशेषता है। उत्तर भारत, विशेषकर पंजाब के सबसे महत्त्वपूर्ण त्योहारों में से एक है बैसाखी। बैसाखी का सिख धर्म के अनुयायियों के लिए बहुत महत्त्व है। बैसाखी भी एक ऐसा महत्त्वपूर्ण त्योहार है, जिसका राष्ट्रीय चेतना, प्रकृति, इतिहास, जलवायु और कृषि के साथ गहरा जुड़ाव है। हरित क्रांति के पर्याय रूपी इस पर्व को सिर्फ पंजाब के किसान ही नहीं मनाते, बल्कि देश के अन्य हिस्सों में भी बैसाखी का त्योहार समान उत्साह से मनाया जाता है। पंजाब के किसान इस दिन रबी की तैयार फसल की कटाई शुरू करते हैं। नई फसल की आमद का उत्साह ऐसा होता है कि वे भांगड़ा और गिद्दा लोकनृत्यों का आयोजन करके अपनी खुशी प्रकट करते हैं। जब तक गेहूं की फसल कटकर खलिहानों में नहीं आ जाती, तब तक इनकी धूम मची रहती है। बैसाखी सूर्य गणना का भी पर्व है। इस दिन सूर्य

मेष राशि में प्रवेश करता है। विक्रमी संवत् का नया साल भी इसी दिन से शुरू होता है। इस पर्व पर नई फसल के आगमन की खुशी में जगह-जगह मेले लगते हैं। श्रद्धालुजन नदियों, सरोवरों में स्नान करके गुरुद्वारों और मंदिरों में जाते हैं। बैसाखी के आगमन पर गढ़मुक्तेश्वर, हरिद्वार आदि स्थानों पर गंगा तट के किनारे मेले लगते हैं। रावी के तट पर प्राचीनकाल से बैसाखी का मेला लगता आ रहा है। इसके पीछे एक मान्यता यह भी है कि बैसाखी के पवित्र दिन ही भगीरथ गंगा को धरती पर लाने में सफल हुए थे। बैसाखी का त्योहार आते ही पूरे देश में हरियाली व खुशहाली छा जाती है। पर्यटक अमृतसर को बैसाखी उत्सव मनाने के लिए प्रमुख स्थानों में से एक मानते हैं, क्योंकि यहां भव्य स्वर्ण मंदिर स्थित है। बैसाखी मुख्यत: पंजाब या उत्तर भारत में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। सिखों के लिए बैसाखी का धार्मिक महत्त्व भी है। दसवें गुरु गोबिंद सिंह ने 1699 में बैसाखी के दिन ही आनंदपुर साहिब में खालसा पंथ की स्थापना की थी और सैनिक संप्रदाय के रूप में सिखों का प्रवर्तन किया था। आनंदपुर साहिब में आज भी इस याद को जीवंत बनाए रखने के लिए विशाल मेला लगता है।

यह त्योहार अकसर 13 या 14 अप्रैल को मनाया जाता है। इस बार बैसाखी 13 अप्रैल को मनाई जाएगी। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में जब भी कोई त्योहार मनाया जाता है, तो रात को दीपमाला की जाती है। अकाशगंगा के निम्न आकीर्ण सरोवर तथा बीच मंदिर का अस्तित्व आध्यात्मिक होकर आदि शक्ति देवलोक को पर्याय हो जाता है। मान्यता है कि गुरु गोबिंद सिंह ने वैशाख माह की षष्ठी को खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिस कारण बैसाखी पर्व मनाया जाता है। गुरु गोबिंद सिंह ने इस मौके पर शीशों की मांग की, जिसे दया सिंह, धर्म सिंह, मोहकम सिंह, साहिब सिंह व हिम्मत सिंह ने अपने शीशों को भेंट कर पूरा किया। इन पांचों को गुरु के पंज प्यारे कहा जाता है, जिन्हें गुरु ने अमृत पान कराया था। अमृतसर का इतिहास गौरवमयी है। यह अपनी संस्कृति और लड़ाइयों के लिए बहुत प्रसिद्ध रहा है। अमृतसर अनेक त्रासदियों और दर्दनाक घटनाओं का गवाह रहा है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का सबसे बडा नरसंहार अमृतसर के जलियांवाला बाग में ही हुआ था। 1919 में बैसाखी के दिन घटित जलियांवाला बाग कांड आजादी के लिए दी गई कुर्बानी का सबसे मार्मिक दस्तावेज है। शहीदों की याद में हर साल बैसाखी वाले दिन यह त्योहार मनाया जाता है। बैसाखी का महत्त्व केवल धार्मिक नजरिए से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के पर्व के रूप में पूरे देश का पर्व है।

लोभ और अहंकार

अत: अध्यात्म की नजर में सिर्फ जागा हुआ मनुष्य ही धर्मिक मनुष्य होता है, क्योंकि धर्म की परिभाषा में अपने प्रति सोया हुआ 'अमुनि' है और अपने प्रति असोया हुआ (जागा हुआ) 'मुनि' है। अब मनुष्य के समक्ष धर्म का सबसे महत्त्वपूर्ण प्रश्र यही है, सबसे महत्त्वपूर्ण जिज्ञासा यही है कि नींद में हम आपस में धर्म के नाम पर लड़ाई-झगड़े करते आ रहे है और एक-दूसरे और धार्मिक ग्रंथों को अपमानित करने से भी बाज नहीं आते। हम समझते हैं हम धर्म का काम कर रहे हैं, हम धर्म का झंडा ऊंचा कर रहे हैं। जागा हुआ इनसान यह जान जाता है कि 'मैं कौन हूं, क्या हूं।' वह जान जाता है कि मैं इनसान हूं, हिंदू, मुस्लिम, सिख या ईसाई नहीं हूं। जब इनसान इनसान बनकर जीता है, तो धर्म के नाम पर सभी झगड़े समाप्त हो जाते हैं।

यही जागरण है और यही इसकी क्रांति है। अब सवाल पैदा होता है कि अगर हम सोए हुए हैं, तो हमारी तंद्रा (निद्रा) कैसे मिट सकती है, हम सपनों के बाहर कैसे हो सकते हैं, अज्ञानता से बंद हुई हमारी आंख कैसे खुल सकती है? महात्मा फरमाते हैं कि अगर सोए हुए मनुष्य को सही मायनों में जागना है, तो उसे एक निर्णय अपने हृदय में लेना जरूरी है कि ये सोया हुआ है, क्योंकि जब

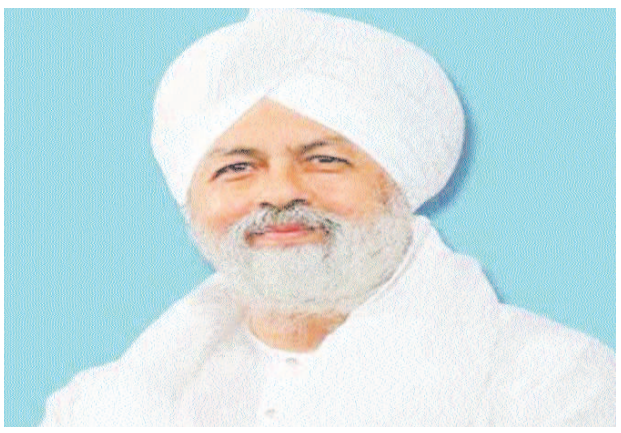

तक मनुष्य यह स्वीकार करने को राजी नहीं हो जाता कि ये वास्तविकता में सोया है, तब तक ये जागने की दिशा में कोई कदम नहीं रख सकता और जागने की दिशा का पहला सूत्र है कि मनुष्य अनुभव करे कि ये वाकई सोया हुआ है। अब अनुभव करने के लिए हमारा सारा जीवन प्रमाण है। उदाहरण के तौर पर हमने आज क्रोध किया और क्रोध करने के बाद हम पछताए और साथ ही साथ निर्णय किया आज के बाद हम कभी क्रोध नहीं करेंगे, मगर थोड़ी देर के बाद फिर हम इसी क्रोध का शिकार हो गए।

अब वो थोड़ी देर पहले किया गया निर्णय कहां गया? वास्तविकता में ये क्रोध न करने का निर्णय हमसे सोए हुए लिया गया। मानो अगर काम, क्रोध, मोह, लोभ और अहंकार हमें बार-बार पकड़ता है,तो जान लेना चाहिए कि हम सोए हुए आदमी हैं और सोया हुआ आदमी अधार्मिक होता है। सामान्यत: हमारा चित्त या तो अतीत (जो बीता गया) में होता है या फिर भविष्य में होता है, जो अभी नहीं आया। मानो बीत गए दिन हमारे मन को पकड़े हुए हैं या हम सोचते हैं आने वाले क्षण में क्या होगा? अब अतीत में होना स्मृति में होना और भविष्य में होना कल्पना में होना है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक लोकेश सूद द्वारा 109/6, लोअर बाजार, शिमला से प्रकाशित तथा भारतेन्दु ऑफसैट प्रिंटिंग प्रैस, औद्योगिक क्षेत्र, ख्यारा चौकी, शोघी, शिमला-173219 से मुद्रित। व्यवस्थापक सीमा सूद।
सम्पादकीय कार्यालय एवं फैक्स : 2808285
आर.एन.आई.नं. एचपीएचआईएन/ 2000/2437
पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. एच पी/68/एस एम एल
bhartendushikhar20@yahoo.com

देश-विदेश

रेसिप्रोकल टैरिफ पूरी तरह खत्म करे अमरीका, गलती सुधार, टैरिफ की गलत प्रथा को रद्द करें

वाशिंगटन : चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री ने रविवार को अमरीका से अपील की है कि वह रेसिप्रोकल (जैसे को तैसा) टैरिफ पूरी तरह से रद्द कर दे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गत शनिवार को ही स्मार्टफोन, लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट्स को टैरिफ के दायरे बाहर किया है। चीनी मंत्रालय ने कहा कि शेर के गले में बंधी घंटी को सिर्फ वही इंसान खोल सकता है, जिसने उसे बांधा है। हम अमरीका से अपील करते हैं कि वह अपनी गलतियों को सुधारने के लिए एक बड़ा कदम उठाए। रेसिप्रोकल टैरिफ की गलत प्रथा को पूरी तरह से रद्द करे और आपसी सम्मान के रास्ते पर लौट आए। चीन ने कहा कि वह अभी इलेक्ट्रॉनिक्स सामान को टैरिफ के दायरे से बाहर रखने के फैसले का मूल्यांकन कर रहा है, क्योंकि अभी भी ज्यादातर चीनी सामान पर 145 फीसदी टैरिफ लग रहा है।

घर छोड़कर भागे 500 से ज्यादा हिंदू, मालदा स्कूल में शरण ली, बीजेपी बोली, कट्टरपंथियों को शह दे रही सरकार

कोलकाता : वक्फ कानून को लेकर पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के धुलियान में स्थिति अब भी तनावपूर्ण बनी हुई है। पश्चिम बंगाल के डीजीपी का कहना है कि स्थिति अब नियंत्रण में है। वहीं यहां रविवार सुबह भी फायरिंग की खबरें आई थीं। जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह बीएसएफ की टीमों को निशाना बनाकर फायरिंग की गई थी। विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी का दावा है कि धुलियान में कम से कम 500 हिंदुओं को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करना पड़ गया है। बता दें कि इस हिंसा में कम से कम तीन लोगों की जान गई है। अधिकारी ने ममता बनर्जी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि तुष्टीकरण की राजनीति की वजह से कट्टरपंथियों को छूट और बढ़ावा दिया जाता है।

रूसी मिसाइलों ने यूक्रेन पर बरपाया कहर, 21 लोगों की मौत

कीव : यूक्रेन के उत्तरी शहर सूमी में रविवार सुबह हुए एक भीषण रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 83 से अधिक लोग घायल हो गए। यूक्रेन के आंतरिक मंत्री इहोर क्लीमेंको ने यह जानकारी दी है। यह हमला यूक्रेन पर इस वर्ष के सबसे घातक हमलों में से एक माना जा रहा है। राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे 'सामान्य नागरिकों के जीवन को खत्म करने वाला क्रूर कृत्य' करार दिया और रूस को दरिंदों का देश बताया।

दिव्यांग समानता संरक्षण अभियान शुरु

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : विश्व के सबसे बड़े आध्यात्मिक संस्था प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय पंथाघाटी स्थित सेवा केंद्र में दिव्यांग अभियान का शुभारंभ किया। इस विशेष अभियान का शुभारंभ एडीसी शिमला अभिषेक वर्मा ने किया। यह दिव्यांग अभियान अभी तक देश के 13 राज्यों में चलाया जा चुका है। हिमाचल इस अभियान से जुडने़ वाला पहला पहाड़ी राज्य है। शिमला से शुरू होकर यह अभियान प्रदेश के विभिन्न जिलों तक पहुंचेगा। ब्रह्मकुमारी के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू राजस्थान के दिव्यांग विभाग प्रमुख ब्रह्म कुमार सूर्यमणि दास की चार लोगों की टीम प्रमुख बीके सूर्य प्रकाश, बीके साधना, बीके कमलेश, बीके शोभिक दिव्यांग कैंपेनिंग वैन के साथ शिमला पहुंचें है, जो प्रदेश के

प्रत्येक दिव्यांग बच्चों के स्कूलों, आश्रमों में जाकर दिव्यांगों को आध्यात्मिक ज्ञान एवं जीवन जीने की कला सिखाते हुए उनका आत्मबल बढ़ाएंगे। हिमाचल में दिव्यांग अभियान के प्रमुख बीके सूर्य प्रकाश ने बताया कि दिव्यांग सेल्फी अभियान की शुरुआत करनी चाहिए। माउंट आबू के दिव्यांग विभाग से आए चार सदस्य टीम द्वारा विभिन्न स्कूलों में दृष्टिबाधित श्रवण बाधित और बुद्धि बाधित बच्चों को ब्रेल बुक, 3 डी मॉडल, वैल्यू बेस्ड स्माइल बॉल गेम, वैल्यू बेस्ड सांप सीढ़ी, खेल पहेलियों, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता द्वारा उनका मनोबल बढ़ाया जाता है। एडीसी शिमला अभिषेक वर्मा ने ब्रह्माकुमारी संस्था और माउंट आबू से आई आई टीम को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी पंथाघाटी प्रमुख बीके सुनीता ने विभिन्न स्थानों से आए ओमप्रकाश, संजय, कैलाश, शशि एवं सभा में मौजूद सभी सदस्यों का धन्यवाद किया।

रागी जत्थों ने कीर्तन कर संगत की निहाल

शिमला : बैसाखी पर्व पर राजधानी के गुरुद्वारों में खालसा पंथ का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। शहर के गुरुद्वारे को लाइटों और फूलों से सजाया गया। 326वें खालसा पंथ के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर सिख समुदाय के लोगों ने गुरुद्वारों में जाकर माथा टेका। इस अवसर पर गुरुद्वारे में विशेष कीर्तन का आयोजन किया गया। बैसाखी पर्व पर राजधानी के बस स्टेंड स्थित गुरुद्वारे में लोगों की भीड़ देखने को मिली। गुरुद्वारा साहिब श्री गुरु सिंघ सभा शिमला में खालसा पंथ के 326 वें स्थापना दिवस व बैसाखी पर्व पर गुरूद्वारे में दिनभर शब्द-कीर्तन किया गया, जिसमें बाहरी राज्यों के रागी जत्थों ने कीर्तन और अरदास की। इस अवसर पर अमृतसर से हजूरी रागी जत्था दविंदर सिंह बटाला, सुखजिंदर सिंह, अरशदीप सिंह अमृतसर साहिब वाले, शिमला से जसविंदर सिंह, लवप्रीत सिंह और अवतार सिंह और सिख स्त्री सत्संग सभा शिमला व अन्य लोकल कीर्तन जत्थे और गुरमत विचारों द्वारा संगत को निहाल किया।

मुख्यमंत्री पांगी में 14 विकासात्मक परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे

भारतेन्दु संवाददाता

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू जिला चम्बा के पांगी में अपने प्रवास के दौरान क्षेत्रवासियों को करोड़ों रुपए लागत की विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री किलाड़ में 3.75 करोड़ रुपए लागत के कृषि विभाग के आवासीय कमरों, राजकीय उच्च विद्यालय लुज में 1.5 करोड़ रुपए लागत से बनने वाले अतिरिक्त कमरों, राजकीय उच्च विद्यालय मिंधल में 1.5 करोड़ रुपए की लागत के अतिरिक्त कमरों, किलाड़ में 2.13 करोड़ रुपए की लागत के मार्केट यार्ड, किलाड़ में 49.42 लाख रुपए लागत के राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के नए कार्यालय, 1.99 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले स्वास्थ्य उप-केन्द्र रेई, 1.99 करोड़ रुपए की लागत के स्वास्थ्य उप-केन्द्र हुडान तथा धनवास में 10.51 करोड़ रुपए की लागत से राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड की एक मेगावाट सोलर ऊर्जा परियोजना का शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री 20.88 करोड़ रुपए लागत से निर्मित मिनी सचिवालय भवन किलाड़, 5.62 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित आईटीआई भवन किलाड़, किलाड़ में 5.29 करोड़ रुपये लागत से निर्मित बस स्टेंड, किलाड़ में 2.98 करोड़ रुपए की लागत से बस स्टेंड के लिए वैकल्पिक मार्ग, 19.83 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित नागरिक अस्पताल किलाड़ का लोकार्पण करेंगे।

ढालपुर में परेड की रिहर्सल शुरू, तैयारियां जोरों पर

भारतेन्दु संवाददाता

कुल्लू : ऐतिहासिक ढालपुर मैदान में हिमाचल दिवस समारोह का भव्य आयोजन 15 अप्रैल को किया जाएगा। जिला स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। वहीं, शनिवार से विभिन्न टुकड़ियों ने रिहर्सल शुरू कर दी है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह जिला स्तरीय हिमाचल दिवस की अध्यक्षता करेंगे, तिरंगा फहराएंगे और मार्च पास्ट की सलामी लेंगे। ढालपुर में समारोह के लिए मंच तैयार किया जा रहा है। उपायुक्त कुल्लू तोरुल एस रवीश ने बताया कि हिमाचल दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी मंच बनाने में जुट गए हैं। पेयजल, बिजली इत्यादि की व्यवस्था की जा रही है। इस दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

जिसमें जिले के सांस्कृतिक दल के अलावा स्थानीय शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी भाग लेंगे। छात्रों को भी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। समारोह का मुख्य आकर्षण ढालपुर मैदान में आयोजित की जाने वाली भव्य परेड रहेगी। इस परेड में जिला पुलिस की महिला और पुरुष की टुकड़ी के अलावा आईटीबीपी, एनसीसी, एनएसएस और स्काउट एंड गाइड की टुकडियां भाग लेंगी।